किस काम के यह हीरे मोती, जिस मे ना दिखे मेरे राम राम नहीं तो मेरे लिए है व्यर्थ स्वर्ग का धाम Bhajans Bhakti Songs

दोहा : किस काम के यह हीरे मोती, जिस मे ना दिखे मेरे राम
राम नहीं तो मेरे लिए है व्यर्थ स्वर्ग का धाम

मन की आखों से मै देखूँ रूप सदा सियाराम का
कभी ना सूना ना रहता आसन मेरे मन के धाम का

राम चरण की धुल मिले तो तर जाये संसारी
दो अक्षर के सुमिरन से ही दूर हो विपता सारी
धरती अम्बर गुण गाते है मेरे राम के नाम का

हर काया मे राम की छाया, मूरख समझ ना पाया
मन्दिर, पत्थर मे क्यों ढूंढे, तेरे मन मे समाया
जिस मे मेरे राम नहीं है, वो मेरे किस काम का

दुखियो का दु:ख हरने वाले भक्त की लाज बचाओ
हंसी उड़ाने वालो को प्रभु चमत्कार दिखलाओ
मेरे मन के मन्दिर मे है मेरे प्रभु का धाम

Source:
https://www.bharattemples.com/kis-kaam-ke-yah-heere-motee-jisamen-na-dikhe/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw